

राघौगढ | मंगावली | आरोन | चाचौड़ा | कुंभराज | ब्यावरा | सारंगपुर | नरसिंहगढ | खिलचीपुर | जीरापुर | चंदेरी | नईसराय | ईसागढ

एक दूसरे को भुजरिया बदलकर शुभकामनाएं दी, मिलन समारोह हुए आयोजित

एक दूसरे को भुजरिया बदलकर शुभकामनाएं दी, मिलन समारोह हुए आयोजित

भुजरिया तालाब पर लगा मेला सबसे पहले

भगवान को फिर संतों को अर्पित की भुजरिया



शहर साहित अंचल भर में आपसी मिलन और प्रेम का प्रतीक भुजरिया पर्व उमंग और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर स्थानीय भुजरिया तालाब पर लगने वाले पारंपरिक मेले का तैयारी भी दोपहर में शुरू हो गई थी। कई मंदिरों पर भी भुजरिया पर्व मनाया गया और सामाजिक संगठनों ने भी मिलन समारोह आयोजित किया। रक्षा बंधन के दूसरे दिन शाम के समय भुजरिया पर्व मनाने की परम्परा सदियों से चली आ रही है।

जिसे कि आपसी प्रेम, परस्पर मिलन के साथ साथ सभभाव के त्योहार के रूप में पहचाना जाता है। इस अवसर शाम शहर के विभिन्न इलाकों से महिलाएं एकत्रित होकर जुलूसकी शक्ल में घोल नगाड़े की गूंज के साथ सिर पर डोरों में बांधे गए गूंज के ज्वारों लेकर बरगढ़ रोड पर स्थित भुजिया तालाब पर पहुंची, जहां तालाब के पानी में इन ज्वारों को निकाद और इन्हें पानी ही साफ करने के बाद यही भुजिया सबसे पहले यहां स्थित श्री लक्ष्मी

नारायण मंदिर में चढ़ाई। इसके बाद यहां पर मौजूद महंत श्री राघवेंद्र दास जी महाराज को श्रद्धालुओं ने भुजरिया अर्पित कीं और उनसे आशीर्वाद प्राप्त किया इसके साथ ही भुजरिया मिलन का आगाज हुआ। इस अवसर पर परम्परानुसार मेले का आयोजन भी हुआ, जो कि भले ही अब पहले जितना

भाजपा ने मनाया भुजरिय

विशाल रूप में नहीं होता लेकिन होता है। उधर कैंट क्षेत्र की मई माता मंदिर पर भी भुजरिया पर्व का आयोजन बड़े ही धूमधाम से किया गया यहां पहुंचे श्रद्धालुओं ने पुजारी पंडित मनोज शर्मा के मार्गदर्शन में विसर्जन करके सर्वप्रथम माता को भुजरिया चढ़ाई और इसके बाद एक दूसरे को भुजरिया

मिलन समारोह

बदलकर शुभकामनाएं दी इस अवसर और शहर में विभिन्न स्थानों पर राजनीतिक दलों और संस्थाओं द्वारा मिलन समारोह भी आयोजित किया जहां लोगों ने बाजार में सड़क पर स्टाल लगाकर वहां से गुजरने वाले लोगों के साथ में भुजरियों का आदान-प्रदान किया।

गुना। भारतीय जनता पार्टी जिला गुना द्वारा रक्षाबंधन पर्व के दूसरे दिवस भाजपा जिलाध्यक्ष धर्मे सिंह सिकरचर का अध्यक्षता में रविवार को लोक आस्था एवं सांस्कृतिक परम्परा का प्रतीक, रीतियाँ, खुशहाली, उज्ज्वल और सुदृढ़ का संदेश देने वाले भुजरिया मिलन समारोह आयोजित कर नगरवासियों को बधाई शुभकामनाएं दी। सहजनों मे जिलाध्यक्ष श्री सिकरचर सहित कार्यकर्ताओं को बाँधी राखी। इस अवसर पर बड़ी संख्या में भाजपा जन उपस्थित रहे।

गुना। गायत्री मंदिर के पास जिला कांग्रेस सम्पर्क कार्यालय पर भुजरियों के पावन पर्व पर एक - दूसरे को भुजरियां देकर गले मिलकर हार्दिक बधाई शुभकामनाएं दें।

हाईवे पर गाय को बचाने के प्रयास में कार अनियंत्रित होकर पलट गई

फोरलेन हाईवे पर रविवार सुबह घटित एक सड़क दुर्घटना में अपर कलेक्टर और उनका परिवार हादसे का शिकार हो गया। घटना में कार सवार 7 लोग घायल हुए हैं। हादसा हाईवे पर अटलपुर के नजदीक गाय बचाने के प्रयास में हुआ, जिसमें वाहन पलटने से कार में बैठे सभी लोग घायल हो गए। घायलों को एंबुलेंस से जिला अस्पताल लाया गया, जहाँ उनका उपचार चल रहा है। एक बच्चे की गंभीर हालत को देखते हुए उसे बाहर रेफर किया गया है। मिली जानकारी के अनुसार मूलरूप से शिवपुर जिले के बदवास के रहने वाले अपर कलेक्टर रिंशेश वैश्य इंद्रौर में पदस्थ हैं। बताया गया कि वह रक्षाबंधन त्योहार पर परिवार के साथ अपने घर बदवास आए हुए थे, जहाँ से सुबहकार द्वारा वे परिवार के

सदस्यों के साथ नजदीकी ग्राम खॉरख में एक धार्मिक कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे थे। इसी दौरान नाना-शिवपुरी जिले की सीमा पर अल्लुपुर के पास हादसे पर गाय को बचाने के प्रयास में कार अनियंत्रित होकर चल गई और ये हादसा घटित हो गया। पटना प्रकाश में आते ही स्थानीय ग्रामीण जन पहुंचे और मदद में जुट गए उधर पुलिस को भी सूचना दी गई जिससे मौके पर पहुंची पुलिस ने कारवॉलई करते हुए सभी घायलों को खुबसूल से जिला अस्पताल लाया गया जहां अधिकारी भी अस्पताल पहुंचे और उपचार के प्रबंध कराए गए। दुर्घटना में अपर कन्ट्रोलर रिसिडेंट वैश्य, उनके पिता हरीशचंद्र वैश्य, मौ, पत्नी, और बच्चे घायल हो गए। 8 वर्षीय बालक को ग्वालियर रेफर किया गया है। वहीं सिविल सर्जन ने बताया कि एक बच्ची की हालत को देखते हुए उसे भी रेफर किया जा सकता है।

यहाँ सिख संगत भावना सहित यथाशक्त रसद भेंट करके सेवा करती हैं। एक बार एक बुजुर्ग माता माचिस की डिब्बिया में आटा डालकरलाई (बाबा जी ने देखकर पूछा कि माता जी ये क्या है? माता रोने पड़ी और बताया- बाबा जी! दीवान में आप जी के मुख से साखी सुनी थी कि एक गरीब सिख के पचिड़िया का जोड़ा रहना था वो उस घर से आटा,दाल अपनी चाँच में फँसाकर गुरु के लंगरों में जाकर डालते थे तो इस तरह उस गरीब सिख की गरीबी कट गई। मैं भी बहुत गरीब हूँ,पर मैं खाने के लिए आटा भी नहीं। कल बैठो थोड़ा सा आटा लावा था, उसी में से कुछ आटा मैं माचिस की डिब्बी में डालकर गुरु के लंगरों के लिए लाई हूँ। उसकी यह भावना देखकर बाबा जी की आँखों में आंसू आ गए (बाबा जी ने खुश होकर कृपा की और उस माता की गरीबी काट दी। अब उस माता के घर बहुत धन है कोई कमी नहीं। अब वो माता हर हफ्ती तारीख को दीवान वाले दिन यथाशक्त रसद गुरु घर भेंट करके श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी का शुक्राना करती

बाबा जी ने अपने कर कमलों द्वारा,पर्यावरण की शुद्धता के लिए अंतर्गत पेड़ लगवाए, जिनमें पीपल, बरगद, बेरी, सागौन, पीशम, पापुलर, आम, सफेदा, पाखर, नीम आदि प्रमुख हैं। बाबा जी ने भाँति-भाँति के फूल-फुलवाड़ी भी लगवाई है। बाबा

गो किसी भी पेड़ को कटवाने के सख्त खिलाफ थे।
गुरुद्वारा साहिब ईशर प्रकाश वरियामसर पवारगढ़
शोकनगर एम.पी.

सन् 1993 में श्रीमान संत बाबा गुरदीप सिंह जी महाराज कलयुगी जीवों का उद्धार करते हुए पहली बार शिवपुरी पहुंचे

कबीर सेवा कउ दुइ भले एकु संतु इकु रामु ।

यहाँ हर साल सत्रांग करते हुए 1996 में अणोत्कृष्ट आए।

किया। बाबा जी दीवानों में अक्सर ये धारणा पढ़ते थे- कावां कुत्ते समत झुको, गरू वाले बनो- अमृत-अभिलाषी संगत ने नाम लिख

**बाबा जी यह सबद वार के रुप में पढ़ते
रामकली वार पातशाही दरम्वे की**

संक्षिप्त वन परिचय

देश के विकास में किस तरह नागरिकों को अपनी भूमिका निभाते हुए स्वदेशी सामानों को अपनाना है, इससे कबरे में बताया जाएगा। हमारा प्रयास रहेगा कि लोगों को देशी-विदेशी सामानों की सूची उपलब्ध कराएं, जिससे की वह आसानी से समझ सके कि कौन सी वस्तु देश में निर्मित है और कौन सी विदेशी है। उन्होंने कहा कि जिस तरह महात्मा गांधी ने अंग्रेजों के विरुद्ध भारत छोड़ो आंदोलन शुरू किया था, उसी तरह विदेशी कंपनी भारत छोड़ो आंदोलन होगा। इसमें सभी व्यापारियों का संगठन को सहयोग प्राप्त हो रहा है। इस मौके पर लोगों को स्वदेशी अपनाने संकल्प भी दिलाया गया।

प्रचार प्रमुख प्रमोद दुबे ने बताया कि अगस्त क्रांति के उपलक्ष्य में स्वदेशी जागरण मंच द्वारा यह अभियान प्रारंभ किया गया है, जिसके तहत लोगों को स्वदेशी वस्तुओं के उपयोग और विदेशी वस्तुओं के बहिष्कार के लिए जागरूक किया जाएगा। रैली, नुक्कड़ नाटक आदि माध्यमों से लोगों को जागरूक कर

रुधिर बनाने के लिए विनती की। उन गुरसिर
संघ, ख. बलवीर सिंह। बाबा जी ने विनती पर
साहिब ने अतिसंदर बने दरबार साहिब में हर वक्त
साहिब की वाणी का पाठ निरंतर चलता रहता है
समरन का अद्भुत प्रवाह निरंतर जारी है। संगत के
जहाँ साल बाद महान गुरुमत समागम और अ
विचार को संगत श्री सुखमनी साहिब का पाठ व
गते हैं।

बाबा जी किसी भी पेड़ को कटवाने के सख्त खिलाफ थे
हर साल संत बाबा निधान सिंह जी के गांव नडालों से नगर कीर्तन श्री हनुजर साहिब जी नांवेड जाते हुए रात्रि विश्राम स्तुधारा ईश्वर प्रकाश सदायामसर में किया जाता है। समूह इलाका सिख संगत बड़े प्रेम और उत्साह के साथ सेवा करके अपना सा, बगवा, सब्दी, धान, जूतों, अण्डों, खैर, आलू, आम का बाग, नीम आदि प्रमुख है। बाबा जी ने भाति-भाति के जल-फलवाड़ी भी लगवाई है। बाबा जी किसी भी पेड़ को कटवाने के सख्त खिलाफ थे।

हरि रैंधे तखत रचाइआ सतसंगत मेला ।
नानक निरभउ निरंकार विच सिधां खेला ।
गुर सिमर मनई कालका खडे की वेला ।
पीवहु पाहुल खडेधार होइ जनम सुहेला ।
गुर दगत कीनी खालसा मनमुखी दुहेला ।
सत गुरु खेतिंग सिंग सांसा सत नैसा ।

उपरांत अमृत संचार किया। जिस समय अशोकनगर में ००० सिख थे उनमें से पैंतीस सौ प्राणी अमृत छक्कर गुरू वाले ने फिर सन् २००४ में सिख संगत ने बाबा जी को यह

भाजपा कैट मंडल ने निकाली तिरंगा यात्रा
गुना। स्वतंत्रता दिवस से पूर्व भाजपा द्वारा अपने कार्यक्रमों के अनुसार तिरंगा यात्राएं निकाली जा रही हैं। इसी क्रम में आज भाजपा कैट मंडल द्वारा अपने क्षेत्र में



साथ कैट मंडल के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता शामिल हुए।तिरंगा यात्रा कैट क्षेत्र में प्रमुख मार्गों से होकर निकाली गई। भाजपा द्वारा अन्य मंडलों व गांव-कस्बों में भी स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में तिरंगा यात्रा निकाली जाएंगी।

गुना । शहर में तहसील के आगे स्थित एक गुमटी पर रविवार को विवाद हो गया। बताया जा रहा है कि गुमटी संचालक से 10 से 12 लोग झगड़ा कर रहे हैं और उस पर हमला कर रहे हैं। स्थिति बिगड़ने की वहां हंगामा हो रहा है। इसी दौरान सूचना मिलने पर अजाक थाना पुलिस के टीआई और पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची। टीम में प्रधान आरक्षक जसवंत सिंह, आरक्षक पटवर्धन शर्मा और प्रधान आरक्षक मनीष शर्मा आदि ने किसी तरह स्थिति को संभाला। पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर गुमटी संचालकों को हमलावरों से बचाया और किसी भी बड़ी अनहोनी को टाल दिया। साथ ही मौके से आरोपियों को पकड़ा गया और कोतवाली पुलिस के हवाले कर दिया गया। इस कार्रवाई से मौके पर मौजूद लोगों ने राहत की सांस ली। पुलिस का कहना है कि विवाद के कारणों की जांच की जा रही है और आरोपियों के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

गुना। संसार में सबसे बड़ा रोग मोह, राग और द्वेष है। मोह रूपी मदिरा पीकर मनुष्य अपने वास्तविक स्वरूप को भूल जाता है और संसारिक बंधनों में उलझ जाता है। यही सबसे मुनिश्री निरामय सागर महाजल रं रविवार को चौधरी मोहल्ला स्थित महावीर भवन में आयोजित प्रवचन में दिया। यह प्रवचन विशेष रूप से 10 अगस्त 2013 को रामटेक में हुए ऐतिहासिक द्दीक्षा दिवस की स्मृति में आयोजित किया गया था, जब आचार्यश्री विद्यासागरजी महाराज ने 24 भैयाजियों को दिगंबरी दीक्षा प्रदान की थी। मुनिश्री ने बताया कि उसी दिन आचार्यश्री ने गुना गौरव निकम्प सागरजी, गुना में चातुर्वर्षीय निरोग सागरजी, निमोह सागरजी, निरामय सागरजी, निर्भीक सागरजी, निर्दोष सागरजी, निर्लोभ सागरजी, निरामय सागरजी सहित 24 भैयाजियों को महाव्रत धारण करवाया था। इन सभी ने तब से अब तक निर्दोष धारण करते हुए अपना जीवन धर्ममय बनाया है।

दो नेत्र हीनों को मिलेगी नेत्र ज्योति

मुना। शहर के जाने माने व्यवसाई के निधन पश्चात उनकी इच्छा अनुसार नेत्रदान। राधेश्याम कटपौसी और माधवी श्री फैशन परिवार के मुखिया राधेश्याम माधवी का आज सुबह अचानक स्वास्थ्य बिगड़ जाने के बाद निधन हो जाने का समाचार है, वे 78 वर्ष के थे। उनके निधन पश्चात इच्छा अनुसार परिवार द्वारा उनको नेत्र दान कर दिए गए हैं, जिससे दो नेत्र होंगे को नेत्र ज्योति मिल सकेगी। इस संदर्भ में मिली जानकारी के अनुसार सादर बाजार के रहने वाले प्रमुख व्यवसाई राधेश्याम माधवी का आज तड़कते सुबह अचानक स्वास्थ्य बिगड़ जाने के बाद निधन हो गया। उनके निधन का समाचार मिलते ही समाज सहित सम्पूर्ण बाजार में शोक छा गया है। उनके निधन पश्चात पुत्र संजीव माधवी ने जो कि खुद लायंस क्लब के सदस्य भी हैं।

स्वदेशी अपनाने जनजागरण शुरू, व्यापार एवं उद्योग महासंघ का मिला साथ

विदेशी वस्तुओं के बहिष्कार स्वरूप उनको आग में फूँका

स्वदेशी जागरण मंच के तत्वावधान में मैं एवं आमतः क्रांति के उपलक्ष्य में स्वदेशी सूरसाक्ष, स्वावलंबन अभियान का शुभारंभ किया गया है। जिसके तहत स्वदेशी अपनाने में बहिष्कार के लिए जनजागरण किया जा रहा है। अभियान के तहत तले, स्वदेशी जागरण मंच के बैनर तले एकत्रित हुए शहर के व्यापारी, संगठनों व अन्य लोगों ने स्थानीय लक्ष्मीगंज में विदेशी सामानों के बहिष्कार और विदेशी कंपनी भारत छोड़ो के नारे लगाते हुए, लोगों को स्वदेशी वस्तुओं के उपयोग के लिए जागरूक किया। इस मौके पर विदेशी वस्तुओं के विरोध स्वरूप

उनको आग में फूँका गया। इस मौके पर स्वदेशी जागरण मंच के पदाधिकारियों के साथ भाजपा जिलाध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह सिकरवार, नगरपालिका अध्यक्ष सविता गुप्ता, व्यापार एवं उद्योग महासंघ के अध्यक्ष राजेश अग्रवाल सहित व्यापारी व अन्य लोग मौजूद रहे। स्वदेशी जागरण मंच के मध्य भारत



राघोगढ़। तहसील काजी मो अनीस रहमानी के पवित्र उमरा यात्रा पूरी कर अपने वतन वापसी पर राघोगढ़ राज हकीम परिवार के फ़िरोज़उद्दीन पाशा भाईजान , डॉ फ़रीद उद्दीन भैया जी, हाजी डॉ ज़ालालुद्दीन बंटी भैया ने एक पारिवारिक कार्यक्रम में अपने संस्थान साडा नर्सिंग होम , साडा कॉलोनी राघोगढ़ में इस्तक्रबाल किया !इस मोके पर राघोगढ़ सदर ताहिर खान , उर्स कमेटी म्गवास पूर्व सदर अश्फ़ाक खान , मुफ़्ती उमर इशाअति भी उपस्थित रहे ।काजी साहब ने मक्का मदीना से लाया गया मुक़द्दस ज़मज़म , अजवा खज़ूर , ज़ानमाज़ आदि सीगात राज हकीम दोराना परिवार को भेंट की ।

रक्षाबंधन पर्व पर बहनों का सम्मान व दिया रक्षा का वचन

राघौगढ़। रक्षाबंधन के शुभ अवसर पर राधेश्याम नाथ भाटी हिंदू रक्षा शक्ति संघ, प्रदेश अध्यक्ष नाथ समाज मध्य प्रदेश एवं वरिष्ठ गौ रक्षक आज



हमारे इस म हा प व रक्षाबंधन की सभी नगरवासी ए व देशवासियों को ब हु त - ब हु त बधाई और शुभ कामनायें देते हुए हमारी गौमाताएँ और समस्त बहनों की रक्षा के लिए आगे कदम बढ़ाते हुए कहा है, कि देश में होने वाले नाबालिग और महिलाओं पर हो रहे अत्याचारों को रोकने का सतत प्रयास करेंगे तथा जीवन भर नारी सशक्तिकरण को मजबूत करेंगे ।

नगर में होगा प्रथम बार गीता ज्ञान यज्ञ

गुना। नगर में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर विश्व गीता प्रतिष्ठानम के स्थापना एवं सम्पूर्ण दिवस के अवसर पर 12 से 16 अगस्त तक पांच दिवसीय गीता की तात्विक व्याख्या, प्रवचन का आयोजन किया जा रहा है। गीता व्याख्या डाक्टर विष्णु नारायण तिवारी गीता मनीषी एवं महामंत्री विश्व गीता प्रतिष्ठानम द्वारा की जायेगी।इस अवसर पर 12 अगस्त को राखि एक बज से लक्ष्मी नारायण मंदिर जयस्तंभ चौराहा से गीता जन जागरण यात्रा प्रारम्भ होकर बीजी रोड से होकर आरोन बस स्टैंड से होती हुई कथा स्थल पिपलेश्वर महादेव मंदिर रेलवे स्टेशन के सामने तक पहुंचेगी ।

हर घर तिरंगा अभियान के संबंध में बैठक, कलेक्टर ने निर्देश दिए

श्रमदान कर साफ-सफाई अभियान जनप्रतिनिधियों के साथ चलाया जाए

अशोकनगर। शासन के निर्देशानुसार जिले में 15 अगस्त 2025 तक हर घर तिरंगा अभियान संचालित किया जायेगा। हर घर तिरंगा अभियान देश भक्ति को जागृत करने का अभियान है। इस अभियान में समस्त जिलेवासी बड़ चढ़कर भाग लें। यह बात कलेक्टर आदित्य सिंह ने रविवार को कलेक्ट्रेट सभा कक्ष में हर घर तिरंगा अभियान के संबंध में आयोजित बैठक में कही।

कलेक्टर आदित्य सिंह ने बैठक में कहा कि शासन के निर्देशानुसार स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर हर घर तिरंगा, हर घर स्वच्छतारूपस्वतंत्रता का उत्सव, स्वच्छता के संग्रविषय पर आधारित अभियान 15 अगस्त तक अभियान संचालित किया जा रहा है। उन्होंने निर्देशित किया कि अभियान के संबंध में अधिकारियों को जो जिम्मेवारी दी गई है उसका भली भांति निर्वहन कर अभियान को



सार्थक बनाएं। उन्होंने अभियान के तहत कैलेंडर अनुसार गतिविधियां आयोजित की जाए। गतिविधियां आयोजन के पूर्व सभी आवश्यक व्यवस्थाएं पहले ही पूर्ण की जाएं।

बैठक में कलेक्टर ने निर्देशित किया कि हर घर तिरंगा अभियान के सफल आयोजन एवं व्यापक जनसहभागिता सुनिश्चित करने के

हर सम्भव प्रयास किए जाए। तिरंगा यात्राएं, रैली निकाली जाए। हर घर तिरंगा अभियान को जिले में जनअभियान के रूप में सफल बनाएं। बैठक में संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि हर घर तिरंगा अभियान के लिए सभी आवश्यक तैयारियां समय पर पूर्ण की जाएं। तिरंगा रैली हेतु शामिल होने वाले स्कूली

बच्चों के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं दुरुस्त रहे। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी शासकीय, अशासकीय भवनों एवं हर घर पर तिरंगा झण्डा लगावा जाए। साथ ही भवनों पर रात्रि में रोशनी की जाए। स्कूलों एवं कॉलेजों में प्रतियोगिताओं का आयोजन कर शपथ दिलाई जाए। ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों में जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत कार्यक्रमों का आयोजन किया जाए। साथ ही श्रमदान कर साफ-सफाई अभियान जनप्रतिनिधियों के साथ चलाया जाए। वेवसाइड एवं सोशल मीडिया के माध्यम से हर घर तिरंगा अभियान संबंधी गतिविधियों का व्यापक प्रचार प्रसार किया जाए। बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत राजेश जैन, संयुक्त कलेक्टर आर.बी. सिंगडोस्कर एवं संबंधित जिला अधिकारी उपस्थित थे।

शिव मंदिरों में शिव अभिषेक और संकल्प साधना का क्रम है जारी

अशोकनगर। विश्व मांगल्य सभा अशोक नगर द्वारा शिव मंदिरों में जाकर शिव अभिषेक एवं संकल्प साधना का क्रम जारी है। इस हेतु विश्व मांगल्य सभा की श्रीमती चंचा यादव द्वारा शिव अभिषेक का संकल्प करवाया गया। शिव अभिषेक एवं संकल्प साधना का हिन्दू धर्म में अत्यंत गूढ़ और आध्यात्मिक महत्व है। ये दोनों ही साधनाएं न केवल धार्मिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण हैं, बल्कि मानसिक, आत्मिक और आध्यात्मिक शुद्धि के लिए भी अत्यंत प्रभावशाली मानी जाती हैं। शिव अभिषेक का अर्थ हैरू भगवान शिव का जल, दूध, घी, शहद, पंचामृत आदि से अभिषेक (स्नान करना)। यह पूजा का एक विशेष रूप है जो शिवभक्तों द्वारा विशेष रूप से सावन मास में प्रतिदिन शिवलिंग पर किया जाता है। जलमन की शुद्धि, शांति प्राप्ति दूध पापों का क्षय, मन की स्थिरता, शहद मधुरता व प्रेम में वृद्धि, ह स्वास्थ्य लाभ, तेज में वृद्धि, दही बौद्धिक विकास, साहू, नैना शर्मा एवं सचिव भावना



अहंकार का नाश, पंचामस म स्त दोषों का निवारण एवं सौभाग्य वृद्धि करता है। शिव अभिषेक से मन, वाणी और कर्म शुद्ध होते हैं। एक दूढ़ निश्चय, उदेश्य या प्रतिज्ञा जो साधक ईश्वर के समक्ष करता है। संकल्प साधना में मन और आत्मा को एक उदेश्य की ओर केंद्रित किया जाता है। ईमानदारी और श्रद्धा से किया गया संकल्प फलदायी होता है इसी कामना के साथ विश्व मांगल्य सभा की प्रांतीय सहसंयोजिका कविता साहू, नैना शर्मा एवं सचिव भावना

चैधरी सहित रसना यादव ,अलका अग्रवाल, चंदा देवी नायक, शोभा शर्मा, रामकुमारी सुमन, सपना अग्रवाल, राधना कुशवाह, भूरिया कुशवाह, समकली आदि महिलाओं ने इस संकल्प क्रम द्वारा प्राप्त अनुभूति को आध्यात्मिक रूप से ग्रहण किया। साथ ही रुद्राष्टक पाठ, लिंगाष्टक पाठ, शिव मानस पूजा शिव चालीसा, शिव पंचाक्षर स्त्रोत का वाचन किया गया।अंत में ध्वज प्रार्थना एवं जय घोष के साथ समापन हुआ।

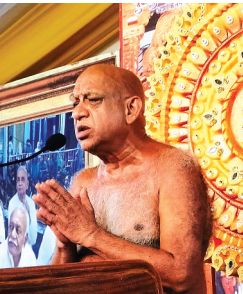
हरिभूमि न्यूज़

मुझे संसार में कोई रोता हुआ चेहरा न दिखे जहां भी मैं नजर उठाऊ हंसता हुआ चेहरा दिखे बस इतनी सी मेरी तमन्ना रहती है कि संसार में कोई रोता हुआ चेहरा न दिखे। इसलिए तो तपस्या कर रहा हूं उपदेश दे रहा हूं। तुम्हारे मन में कोई गलत भाव मत करना जिससे तुम्हारा कुछ न बिगड़े। तुम मेरे संबंध में कुछ भी बुरा मत विचारना मुझे तो कुछ नहीं होगा तुम्हारी सुधरीं बिगड़ जायेगी। आकाश के तारे जमीन पर आ सकते हैं, सिर से पहाड़ फूट सकता है लेकिन मेरे गुरु कभी अन्यथा नहीं बोल सकता। इसलिए अपना भविष्य उज्जवल करने के लिए अपने आप को संभालो। उक्त आशय केउद्गार सुभाषगंज मैदान में विशाल धर्मसभा को संबोधित करते हुए मुनि पुगंव श्री सुधासागरजी महाराज ने व्यक्त किए।

दुनिया को दुखी देखकर जिनको खुशी होती है वे मानवता के दुश्मन है: उन्होंने कहा कि दुनिया को दुखी देखकर जिनको खुशी मिलती है वे मानवता के दुश्मन है दूसरों को कष्ट देने में जो सुख महसूस करते हैं ऐसे लोग निकृष्टमन निकृष्ट होते हैं हमें सज्जन के साथ दुर्जनों का भी पता होना चाहिए अपनी जिंदगी में सुख के साथ दुःख कैसे धर्म का चाहिए।



है इस बात का पता होना चाहिए अपने आने के साथ ही चोरों के घर में घुसने का ज्ञान होना चाहिए हम बहुत बड़ी भूल कर देते हैं जिस पाइप से बैकस्टेज को बहार करना था उसी रास्ते से चोर आपके घर में घुस जायेगा। जिसको इस बात का ज्ञान होगा उसके घर धर्मसभा को संबोधित करते हुए मुनि पुगंव श्री सुधासागरजी महाराज ने व्यक्त किए।



हमारी गलती का कोई फायदा न ले हमें ही सावधान रहना है-मुनि श्री: उन्होंने कहा कि हमारे महाराणा प्रताप क्यों चूकें वे युद्ध कौशल में परांगत थे उन्हें कोई हरा नहीं सकता था कोई उनके समाने टिक नहीं सकता वो दुश्मन से नहीं डरते थे यहीं उनकी सबसे बड़ी कभी चोर नहीं घुस सकता। एक अंधा व्यक्ति रास्ते में लालटेन लेकर इसलिए चल रहा था सामने बाला अंधेरे में उसे टक्कर न मार दे। आप कहेंगे उसे तो दिखता नहीं है कोई बात नहीं आपको तो दिख रहा है। सड़क पर आप सावधानी से गाड़ी चला रहे हैं सामने वाले का ज्ञान होना जरूरी है। उस गाड़ी को कौन चला रहा है अच्छा डायवर कुशल डायवर को आगे के साथ पीछे आने वाले वाहनों का भी ज्ञान होना चाहिए।

धर्मसभा को संबोधित करते हुए मुनि पुगंव सुधासागर ने कहा... मैं जहां भी नजर उठाऊं हंसता हुआ चेहरा देखूं: मुनिश्री

पूर्ण श्रद्धा व उत्साह के साथ सोलह कारण विधान प्रारंभ

हरिभूमि न्यूज़

नगर में चातुर्मास कर रहे परम पुज्य मुनि108 श्री दुर्लभ सागर जी महा मुनिराज के मंगल सान्निध्य मे सोलह कारण संवेग वैराग्य संस्कार शिविर के अन्तर्गत आज से सोलहकारण विधान जी का प्रारंभ बड़े दिगंबर जैन मंदिर जी के संत निवास में प्रारंभ हुआ । जहां पर परम पुज्य मुनि संसंघ विराजमान है । सोलह कारण भावना पर्व आत्म शुद्धि के साथ-साथ मोक्ष मार्ग का प्रथम सोपान है जहां पर श्रावक गण अपनी आत्मा की शुद्धि के साथ व्रत संयम का पालन उत्कृष्ट साधना कर करते हुए मोक्ष मार्ग की ओर कदम बढ़ाते हैं । यह शिविर आरोन नगर के इतिहास में प्रथम बार परम पूज्य आचार्य भगवान 108 श्री विद्यासागर जी के महा मुनिराज के परम प्रवाहक शिष्य श्री दुर्लभ सागर जी महाराज के परम सान्निध में लग रहा है। सर्वप्रथम मुनि श्री के परम सान्निध्य मे मंगलाचरण के साथ शांति धारा अभिषेक आचार्य श्री की पूजन के साथ विधान जी का प्रारंभ प्रमुख पात्रों के चयन के साथ हुआ विधान मे प्रथम दिवस कलश स्थापना का परम सौभाग्य मिट्टू लाल बाखर श्रीमती अरुणा शैलेश जैन ब्रह्मचारिणी बहन रिकी दीदी जिनेश चंद मुकेश कुमार नवनीत दीपक जम्मु एवं ब्रह्मचारिणी बहन निधि दीदी झंडा परिवार देवेन्द्र कुमार सलिल कुमार चंदेरी परिवार रमेश चंद राजेश कुमार नितेश कुमार काला देव परिवार सुनील दीपक कांशल परिवार एवं ध्वजराजहण कर्ता गोव कुमार सौरभ सौरभ कुमार कुशाग्र खिरिया परिवार दीप प्रज्जलन का परम सौभाग्य जिनेश चंद्र नवनीत कुमार दीपक जम्मु झंडा ।



बलवंत नगर में हुआ गीता स्वाध्याय संपन्न

हरिभूमि न्यूज़

।भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन से कहा कि तुझे इस समय यह मोह क्यों उत्पन्न हो रहा है अर्जुन ने कहा कि हे मधुसूदन मैं गुरु द्रोणाचार्य, भीष्म पितामह दोनों मेरे लिए पूजनীয় है इनके विरुद्ध मैं युद्ध करने में असमर्थ पा रहा हूं। उपरोक्त विचार महेन्द्र सोनी ने व्यक्त किए। स्वाध्याय गीत, गणेश गौरी, गुरु वंदना, रामायण की चौपाईयोंतथा गीता महात्म्य के श्लोकों तथा अध्याय दो के प्रथम ग्यारह श्लोकों का सामूहिक वाचन किया गया।सुभाषित में मनोज भारद्वाज ने कहा कि गीताजी में हर समस्या का समाधान निहित है। अमृत वचन में उमाशंकर भार्गव ने कहा कि अहिंसा परमो धर्म किन्तु यदि स्वयं तथा समाज हित में हिंसा करना पड़े तो उसे धर्म माना जाता है। प्रेरक प्रसंग में रामस्वरूप सेन ने

गीता स्वाध्याय आयोजित

गुना। विश्व गीता प्रतिष्ठानम स्वाध्याय मंडल गुना द्वारा प्रति रविवार को किया जाने वाला गीता स्वाध्याय दिनांक 10/08/25 रविवार को तीन बजे भुल्लनपुरा स्थित राम-जानकी मंदिर पर आयोजित किया गया । जिसमें इस बार अध्याय नौ के तेईसवें श्लोक से लेकर तैत्तिरीय श्लोक तक का गीता स्वाध्याय किया । यजनम धर्मवीर सिंह ने गीताजी की अगवानी करते हुए सभी धर्मप्रेमियों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर धर्मलाभ प्राप्त किया।



राजपुर में रक्षाबंधन व भुजरिया पर्व हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया



प्रथम भुजरिया तलाब में भुजरिया विसर्जन कर देवी देवताओं पर चढ़ा कर आशीर्वाद लिया। इसके बाद घर पर जा कर अपने घर वालो से

भुजरिया बदलकर फिर गांव में प्रदान की गई। इस वर्ष शौक वाला सावन होता है उनके घर जा कर भुजरिया बदलते हुए देखें गया।

से नजर रखना भी जरूरी होता है।
कभी भी आतंक वाद को सज्जनता से नहीं जीता जा सकता : उन्होंने कहा कि मैं हमेशा अच्छे लोगो को उपदेश देता रहता हूं मैं दुनिया के उन लोगो को उपदेश दे रहा हूं जो दूसरों को सुखी देखना चाहते हैं मेरा उपदेश दुष्टो के लिए नहीं है जो दूसरों को दुखी देखकर खुश होते हैं वे ही आतंक वादी कहलाता है। उन्हे आप से कोई मतलब नहीं आतंक वादी को उनके तरीके से निपटना पड़ेगा। आतंक वादी को बस मे करने के लिए तो आपरेसन सिन्दूर जैसी नीति की जरूरत होती है। कभी भी आतंकवादी को सज्जनता से नहीं जीता जा सकता हम इन आतंक वादी की चर्चा इसलिए नहीं कर रहे क्योंकि हमारे भक्त कभी आतंक का समर्थन भी नहीं कर सकते। हम साधु है और हमारे भक्त सज्जन हैं भक्त भले साधु नहीं वन सकते लेकिन सज्जन अवश्य होंगे। इसके पहले जैन समाज के मंत्री विजय धुरा ने कहा कि परम पूज्य आध्यात्मिक संत निर्गुणपक श्रमण मुनि पुंगव श्रीसुधासागरजी महाराज के आशीर्वाद व वर्णी जी गंभीर सागर जी महाराज के निर्देशन में आज दोपहर में श्रुवावतार पुस्तक पर लेखन प्रतियोगिता इसी सुभाषम्य अमृत वर्षागोष्ठा सभा मंडप में आयोजित की जा रही है।

खबर संक्षेप

युवक का शव रेल पटरियों पर मिला

अशोकनगर। जिले के पिपरई थाने के अंतर्गत रेहटवास रेल्वे ट्रैक पर एक युवक का शव मिला था जिसकी पहचान रामगोपाल पुत्र कैलाश अहिरवार उम्र 36 साल निवासी मूडरा बहादुर के रूप में की गई है। पुलिस ने मर्ग का मामला दर्ज किया है।

मारपीट की घटनाओं के अनेक मामले दर्ज किए

अशोकनगर। जिले के विभिन्न क्षेत्रों में मारपीट की घटनाओं के कई मामले दर्ज किए गये हैं। जिले के कोतवाली थाना क्षेत्र के अंतर्गत छैधरा कॉलोनी निवासी मंजू केवट ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि आरोपी उसके पति रिकू केवट ने उससे मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। जिले के शादौरा थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम भरका निवासी भूरो वट ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि आरोपी हल्कैया केवट ने उससे मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। जिले के शादौरा थाना क्षेत्र के अंतर्गत शादौरा निवासी गोविंद अहिरवार ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि आरोपी धर्मेन्द्र अहिरवार ने उससे मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। जिले के चंदेरी थाना क्षेत्र के अंतर्गत मुगदपुर निवासी सौरभी रैकवार ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि आरोपी देशराज, राहुल, देवीसिंह, माधोसिंह राजपूत ने उससे मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। जिले के ईसागढ़ थाना क्षेत्र के अंतर्गत ईसागढ़ निवासी नरेश केवट ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि आरोपी शिशुपाल यादव ने उससे मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। इसी घटना में दूसरे पक्ष की शिशुपाल यादव ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि नरेश और सुनील केवट ने उससे मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। इसी घटना में दूसरे पक्ष की और से रिपोर्ट दर्ज कराई है कि जानकीबाई कलावत ने उससे मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। इसी घटना में दूसरे पक्ष की और से रिपोर्ट दर्ज कराई है कि अजय अहिरवार ने उससे मारपीट कर जान से मारने की धमकी दी।

सड़क दुर्घटनाओं के कई प्रकरण किए पंजीबद्ध

अशोकनगर। जिले में सड़क दुर्घटनाओं के कई मामले दर्ज किए गए हैं। जिले के पिपरई थाने के अंतर्गत देवास रोड पर ट्रेक्टर क्रमांक एमपी 07 बी0728 के चालक ने अपने ट्रेक्टर को तेजी व लापरवाही से चलाकर रघुवीरसिंह बंजारा के भाई को टक्कर मार दी जिससे उसे चोट आई हैं। दूसरी घटना बांस खेडी पड़ छितरी के बीच हुई यहां आयसर कंपनी के ट्रक क्रमांक एमपी067जी 1786 के चालक ने अपने वाहन को तेजी व लापरवाही से चलाकर आशीष लोधी निवासी गढ़ला की बाईक पर टक्कर मार दी जिससे उसे चोट आई हैं। इसी प्रकार जिले के मुंगवली थाने के अंतर्गत ग्राम गुढा टंका निवासी रामस्वरूप यादव ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि बिना नम्बर की बाईक के चालक दारासिंह यादव ने वन चौकी के पास अपनी बाईक को तेजी व लापरवाही से चलाकर उसके भाई को टक्कर मार दी जिससे उसे चोट आई हैं।

चंदेरी में 46 मिनी वर्षा व अशोकनगर में 13 मिनी

अशोकनगर। जिले में पिछले 24 घंटों में अशोकनगर तहसील में 13 मिलीमीटर और चंदेरी में 46 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है। जिले के 4 तहसीलों में से 3 तहसीलों में वर्षा का आंकड़ा 100 प्रतिशत से ऊपर चल रहा है। एक मात्र अशोकनगर तहसील में वर्षा का आंकड़ा 100 प्रतिशत से नीचे हैं। यहां 95.41 प्रतिशत वर्षा हुई है। जिले में 882 मिलीमीटर औसत वर्षा के स्थान पर अब तक 1086 मिलीमीटर वर्षा हो चुकी है। जिले भर का प्रतिशत 123.13 हो गया है। जबकि गतवर्ष जिले में 1150 मिलीमीटर वर्षा हुई थी।

तीन जगह गल्ला मंडी लगना शुरू हुई, वर्ष 1964 में मंडी का पहली बार निर्माण हुआ

अशोकनगर मंडी का इतिहास है 80 वर्ष पुराना, अब दो बड़े स्थानों से संचालित



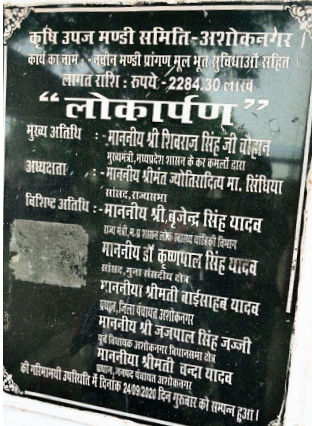
हरिभूमि न्यूज ►► अशोकनगर

गल्ला मण्डी अशोकनगर की पहचान है और किसान यहां के अन्नदाता। 1 लाख लोगों का जीवन यहां की मण्डी पर आधारित है। सीजन हो या गैर सीजन यहां पूरे वर्ष भर माल की आवक होती है। यहां की मण्डी का इतिहास आजादी से पहले का है कई व्यापारिक फर्म यहां के इतिहास से जुड़ी हैं। यही कारण है कि मण्डी में आने वाले माल की बहुतायत को लेकर यहां दो स्थानों पर मण्डी संचालित है। एक जमाना था तब यहां किसी भी स्थान पर मण्डी की शुरुआत हो जाती थी। ऐसे तीन स्थानों पर मण्डी शुरूआती तौर पर चलती रही। कृषि उपज गल्ला मण्डी है तो सब कुछ है यहां के किसान पुत्र कृषि की नई-नई तकनीकों को लेकर यहां कृषि का उत्पादन कर रहे हैं। युवाओं के पास रोजगार के संसाधन नहीं होने से कृषि उनका प्रमुख धन्धा है। यहां की गल्ला मण्डी में व्यापारिक फर्मों का कारोबार सिर्फ व्यापारियों के व्यापार का केन्द्र नहीं है अपितु इस मण्डी से 1 लाख लोगों की आजीविका लगी है। पूरे शहर के बाजार मण्डी पर आधारित हैं अगर मण्डी में फसल की आवक अच्छी है तो व्यापार भी अच्छ हैं और अगर फसल कमजोर है तो मण्डी के साथ व्यापार भी प्रभावित होता है। हमने अशोकनगर गल्ली मण्डी के इतिहास को जानने का प्रयास किया तो कई बातें सामने आई हैं। पहले यहां मण्डी की शुरुआत 1964 में हुई थी। इस मण्डी के निर्माण को लेकर तत्कालीन यहां के विधायक रामदयाल सिंह रघुवंशी ने भूमि पूजन किया था। यह गल्ला मण्डी उस समय शहर से बाहर हुआ करती थी। तब यहां मण्डी का क्षेत्रफल भी बड़ा हुआ करता था। लेकिन समय बदला,शहर बदला और पुरानी मण्डी कम पड़ने लगी। समय ऐसा आया कि पुरानी मण्डी के चारों ओर शहर बस गया तथा पहले किसान साल में एक फसल लेते थे लेकिन बाद में किसानों ने दो फसल लेना शुरू कर दिया। जिससे मण्डी में जगह की कमी होने लगी, और मण्डी को यहां से हटाने की मांग भी हुई और नए स्थान की तलाश की गई। जिसके बाद मोहरवी की पठार पर एक ओर नई मण्डी बनकर तैयार हुई। इस मण्डी का 2284.30 लाख से निर्माण हुआ और 24

में संचालित होता था। बाद में मण्डी यहां जगह कम पड़ने के बाद गोशाला क्षेत्र पर लगने लगी। वहां पर भी जब जगह की कमी आई तब इस गल्ला मण्डी को सुभाषगंज में लगाया गया। मण्डी व्यापारी 77 वर्षीय रोशन कोहली कहते हैं कि उनका परिवार विभाजन से पहले पाकिस्तान में रहता था वहां से उनका परिवार पहले दिल्ली आया और वहां से रिस्तेदारों के माध्यम से अशोकनगर आया। उस समय यहां घी की बड़ी मण्डी होती थी, उनका परिवार और मूलचन्द पन्नालाल का परिवार के यहा से घी पाकिस्तान के करांची शहर आता था। घी की मण्डी होने के साथ गल्ला मण्डी भी एक साथ चलती थी।

अशोकनगर में पुरानी मंडी 1964 में बनी, नई मंडी 2022 से शुरू

अशोकनगर में जो वर्तमान में पुरानी गल्ला मण्डी कही जाती है। इस गल्ला मण्डी की शुरुआत वर्ष 1964 में हुई थी। इस मण्डी के निर्माण को लेकर तत्कालीन यहां के विधायक रामदयाल सिंह रघुवंशी ने भूमि पूजन किया था। यह गल्ला मण्डी उस समय शहर से बाहर हुआ करती थी। तब यहां मण्डी का क्षेत्रफल भी बड़ा हुआ करता था। लेकिन समय बदला,शहर बदला और पुरानी मण्डी कम पड़ने लगी। समय ऐसा आया कि पुरानी मण्डी के चारों ओर शहर बस गया तथा पहले किसान साल में एक फसल लेते थे लेकिन बाद में किसानों ने दो फसल लेना शुरू कर दिया। जिससे मण्डी में जगह की कमी होने लगी, और मण्डी को यहां से हटाने की मांग भी हुई और नए स्थान की तलाश की गई। जिसके बाद मोहरवी की पठार पर एक ओर नई मण्डी बनकर तैयार हुई। इस मण्डी का 2284.30 लाख से निर्माण हुआ और 24



सितम्बर 2020 को यह मण्डी प्रारंभ हुई। पुरानी मण्डी के साथ नई मण्डी दोनों जगह माल का विक्रय हो रहा है। माल की आवक पहले से काफी बड़ी है क्योंकि कम जगह में अधिक फसल लेने का फार्मुला किसानों द्वारा अपनाया जा रहा है तथा अशोकनगर मण्डी में वगद भुगतान की प्रथा से पड़ोसी जिलों के किसान भी यहां की मण्डी में आते हैं।

कई बड़ी व्यापारिक फर्म यहां की रही हैं पहचान

अशोकनगर मण्डी में कई व्यापारिक फर्म ऐसी हैं जो आज भी याद की जाती हैं। इन फर्मों में रज्जुलाल मोतीलाल, बिलाला बदरश, उमराव सिंह रामलाल सोनानी, मोनारिया टेडर्स, हीराराल गुलाबचंद,मूलचंद पन्नालाल, मणिक चंद मूलचंद, सुजानमल बागमल, हीराराल गुलाबचंद,कुसुमल रतनलाल, जैसी कई फर्म थीं। जो मंडी में माल की खरीदी कर यहां की पहचान थीं। कई व्यापारी बाहर चले गए, कई व्यापारियों ने काम बंद कर दिया और मंडी के कारोबार को कई व्यापारिक फर्म आर्थिक नुकसान का सामना करने से खरीदी के क्षेत्र से बाहर हो गईं।

क्या कहना है इनका

अशोकनगर गल्ला में रज्जुलाल मोतीलाल फर्म सबसे पुरानी रही है वर्ष 1950 में मुम्बई में इस फर्म की शुरुआत हुई थी उससे पहले यह फर्म अशोकनगर में चलती थी। आजादी से पहले से यह फर्म अशोकनगर में काम करती रही है। इस फर्म के द्वारा मण्डी में बड़े पैमाने पर खरीदी की जाती थी। देश के कई नगरों में इस फर्म के मुख्यालय थे। अशोकनगर में अमय इंडस्ट्रीज उनकी फर्म 40 वर्ष से काम कर रही है।

श्रेयांश वैधेरी
 गल्ला व्यापारी अशोकनगर

अशोकनगर में गल्ला मण्डी की शुरुआत उनके परिवार द्वारा वर्ष 1952 में की गई थी तबसे आज तक बिरतर यह फर्म मण्डी में खरीदी का काम कर रही है। पहले यह मण्डी इन्द्रपाठक पर, फिर गोशाला क्षेत्र पर बाद में सुभाषगंज में लगना शुरू हुई। उनके घर के सामने ही मण्डी का कार्यालय एक भवन में किराए से लगता था। उनके परिवार द्वारा पहले घी का कारोबार भी किया जाता था। रोशन कोहली गल्ला व्यापारी अशोकनगर गल्ला मण्डी में माल की आवक को देखते हुए जिस का वटवारा किया जाता है मकका नवीन मण्डी में आती है तो सोयाबीन और उड़द पुरानी मण्डी में जाता है। गेहूं धनिया और धान नवीन मण्डी में आता है और शेष फसलें पुरानी मण्डी में जाती हैं। मण्डी को गतवर्ष 21 प्रतिशत अधिक आय हुई है। वर्तमान में अशोकनगर मण्डी प्रदेश की टॉप 10 मण्डीयों में शामिल हैं। यहां 600 व्यापारी फर्म रजिस्टर्ड हैं 300 फर्मों द्वारा पूरे वर्ष भर काम किया जाता है।

भागीरथ अहिरवार
 मण्डी सचिव अशोकनगर

कई घंटे लेट हो रही ट्रेन

भोपाल जोधपुर ट्रेन के मंथर गति से चलकर लेट आने से यात्री परेशान

हरिभूमि न्यूज ►► अशोकनगर

भोपाल जोधपुर ट्रेन कई घंटे लेट आने से यात्री परेशान हैं। अशोकनगर गुना होकर चलने वाली भोपाल जोधपुर फास्ट पैसेंजर ट्रेन यात्रियों के लिए परेशानी का कारण बनी हुई है। इस ट्रेन को बिना से भोपाल के बीच में



लेट किया जा रहा है। पहले इस रूट पर फास्ट ट्रेनों को निकाला जाता है उसके बाद इस ट्रेन की सुध ली जाती है। चाहे भोपाल जाने का मामला और य फिर भोपाल से आने का मामला हो। इस ट्रेन के हाल-बेहाल हैं। इस ट्रेन को अशोकनगर स्टेशन से सुबह 4:00 बजे प्रस्थान किया जाता है भोपाल जाने के लिए ट्रेन यह इसलिए उपयोगी है कि ट्रेन से जाने पर सुबह 10:00 बजे यात्री भोपाल पहुंच जाते हैं और वह अपना काम पूरा कर वापस इसी ट्रेन से लौट आते हैं। एक दिन में उनका पूरा काम हो जाता है और उनका समय भी बच जाता है। भले ही उन्हें रात खराब करके इस ट्रेन से जाना पड़ता है। यह ट्रेन गंजबासोद से भोपाल के बीच बैलगाड़ी की तरह चलती है। पिछले दिनों पार्षद तीरेश जैन को गंजबासोदा के बड़े स्टेशन पर ट्रेन के खड़े होने के कारण परेशानियों का सामना करना पड़ा। उन्हें जरूरी काम से भोपाल पहुंचना था लेकिन समय पर नहीं पहुंच पाए। क्योंकि ट्रेन भोपाल निर्धारित समय से काफी लेट पहुंची। यह 1 दिन की बात नहीं आए दिन ऐसा हो रहा है। ट्रेन जाने में भी लेट हो रही है और ट्रेन भोपाल से आने में भी लेट हो रही है। भोपाल से आने वाली जोधपुर ट्रेन शाम 4:30 बजे भोपाल से चलती है और अशोकनगर 9:20 बजे आती है लेकिन यह ट्रेन कभी 1500 बजे कभी 12:00 बजे कभी रात 11:00 बजे आ रही है। सबसे ज्यादा समस्या महिला यात्रियों को हो रही है वह रात का सफर बचने के लिए इस ट्रेन का सहारा लेते हैं ताकि समय पर वह अपने घर पहुंच जाएंगे। लेकिन इस ट्रेन के लेट होकर चलने से यात्री न तो अपने घर समय पर पहुंच पा रहे हैं और जिन यात्रियों को इस ट्रेन से यात्रा करना पड़ता है वे यात्री घंटों स्टेशन पर इंतजार करते रहते हैं। उनका इंतजार में समय निकल जाता है यह ट्रेन कभी सही टाइम पर आती थी लेकिन आजकल यह ट्रेन बिलम्ब से आ रही है।

इंटरसिटी एक्सप्रेस को भोपाल से दिल्ली तक चलाया जाए

उधर दूसरी ओर ग्वालियर भोपाल इंटरसिटी एक्सप्रेस भी यहां चलती है इस ट्रेन का समय 10-45 बजे का अशोकनगर में आने का है यह ट्रेन अशोकनगर में भले ही समय पर आ जाए लेकिन भोपाल पहुंचने के बाद वह ट्रेन तत्काल वापस हो जाती है। इस कारण इस ट्रेन से जाने पर कोई भी यात्री भोपाल में अपना काम समय पर नहीं पूरा कर पाता और उसे वापस स्टेशन से आना मुश्किल होता है। इस कारण यात्री इस ट्रेन से वही यात्रा करते हैं जिन्हें या तो भोपाल में यात्रा पूरी करनी है या फिर भोपाल में रुककर अगले दिन आना है। इसलिए अधिकांश यात्री जोधपुर भोपाल ट्रेन से भोपाल जाते हैं और इंटरसिटी एक्सप्रेस से वापस लौट आते हैं। ट्रेन चल रही है लेकिन उसका लाभ सही तौर पर लोगों को नहीं मिल पा रहा है। ट्रेन वही हो जो यात्रियों को लाभ पहुंचाए। अगर यह ट्रेन भोपाल सुबह 10:00 बजे पहुंचने लगे तो यह ट्रेन इस जिले में एक नया इतिहास रच सकती है। लेकिन रेल अधिकारियों को जनता की सुविधा को काम चिंता है वह ट्रेन का समय अपने हिसाब से तय करते हैं उसी हिसाब से ट्रेन चलती है। इस ट्रेन का सुधार किया जाना जरूरी है। यदि इसी ट्रेन को ग्वालियर भोपाल की जगह भोपाल नई दिल्ली के रूप में चलाया जाए तो इस क्षेत्र के भाग्य खोल सकती है। यह ट्रेन अभी ग्वालियर भोपाल के रूप में चलती है। यदि इसे दिल्ली तक बढ़ा दिया जाए तो आसरा मथुरा होते हुए दिल्ली पहुंचने से यात्री मथुरा वृंदावन के दर्शन भी कर सकेंगे देश की राजधानी से जुड़ सकेंगे और एक ही ट्रेन से राजधानी भोपाल से भी जुड़े रहेंगे। जिस समय पर यह ट्रेन चल रही है इसी समय पर इसे भोपाल से रवाना कर ग्वालियर से दिल्ली के लिए प्रस्थान कर दिया जाए और दिल्ली से अगले दिन भोपाल के लिए समय बदलकर चलाया जाए जो अशोकनगर सुबह 6:00 बजे आ जाए और भोपाल 10:00 बजे पहुंच जाए तो यह ट्रेन राजधानी भोपाल को देश की राजधानी दिल्ली से जोड़ने में एक सफल और और महत्वपूर्ण ट्रेन होगी।

अशोकनगर स्टेशन पर सुलभ कॉम्प्लेक्स की सुविधा नहीं, पूरा परिसर बदबू से भरा

अशोकनगर। एक और अशोकनगर स्टेशन पर भारत सरकार की अमृत योजना 2 के अंतर्गत विकास करने का कार्य किया जा रहा है पूरे परिसर को सुधारा जा रहा है, नया भवन बनाया जा रहा है। बिजली से रोशन किया जा रहा है, सर्कुलेशन एरिया बनाया जा रहा है लेकिन इस स्टेशन पर सबसे ज्यादा पीड़ा रेल यात्रियों को सुलभ कॉन्लेक्स की सुविधा न होने के कारण हो रही है। जिसके कारण लोगों को जहां जगह मिल रही लोग वहां सुलभ सुविधा का लाभ ले रहे हैं।

अशोकनगर स्टेशन पर प्रतिदिन हजारों यात्री एक स्थान से दूसरे स्थान पर यात्रा करने के लिए आते हैं। अगर यात्रियों को ट्रेन का इंतजार करना हो तो पूरे स्टेशन पर कहीं कोई सुलभ कॉम्प्लेक्स की सुविधा नहीं है। स्टेशन के मुख्य द्वार के बाहर लोग दीवारों के सहारे खड़े होकर मूलांजल का उपयोग कर रहे हैं। न प्लेटफार्म क्रमांक एक पर कोई सुविधा है न ही प्लेटफार्म क्रमांक 3 के बाहर कोई सुविधा है। यह कैसा



विकास है जिसमें आम आदमी को सुविधा न मिले उस विकास का क्या मतलब। पूरे स्टेशन पर कहीं कोई झाड़ियां में जा रहा है कहीं कोई दीवाल का सहारा ले रहा है तो कोई अंधेरे का उपयोग कर रहा है। जब तक यहां कोई सुविधा उपलब्ध नहीं कराई जाती तब तक किए जा रहे हैं विकास का भी कोई लाभ नहीं है। सबसे ज्यादा परेशानी महिला यात्रियों को हो रही है शिकायत भी कोई करें तो कहां करें। कोई सुनने वाला नहीं हैं स्टेशन पर भले ही नया भवन बन रहा हो, नई सुविधाएं

विकसित की जा रही हो जिनको तोड़ा गया है उस सामान को आज तक यहां से नहीं हटाया गया है पूरा स्टेशन चारों तरफ से कचरा के ढेर में तब्दील है। कोई कचरा उठाने वाला नहीं है। ऐसी स्थिति में जिला मुख्यालय के अशोकनगर स्टेशन पर लोगों को समस्याओं के बीच से गुजरना पड़ रहा है। लोगों को स्टेशन पर आने के बाद दो सुविधाओं की सबसे बड़ी जरूरत होती है एक पानी की और दूसरी सुलभ कॉन्लेस की। सुविधाओं की स्थिति अच्छी नहीं है यात्रियों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

अशोकनगर शहर में भुजरियों का पर्व परंपरागत उल्लास और सद्भावना के साथ मनाया गया भुजरियों के संग शुभकामनाएं दी, गिले-शिकवे दूर कर गले-मिले

हरिभूमि न्यूज ►► अशोकनगर

अशोकनगर शहर में भुजरियों का पर परंपरागत उल्लास और सद्भावना के साथ मनाया गया। इस मौके पर लोगों ने एक दूसरे को शुभकामनाएं दी, बड़ों के लोगों ने चरण छुए, छोटों को आशीर्वाद मिला। अनेक लोगों ने एक दूसरे के गले मिलकर शुभकामनाएं दी और गिले शिकवे दूर किए। अशोकनगर में रक्षाबंधन के त्यौहार के अगले दिन यह भुजरियों का पर्व मनाया जाता है यह पर संप्रदायिक सद्भाव आपसी प्रेम और विश्वास का संदेश लेकर आता है। इस त्यौहार को सभी वर्ग के लोग मिलजुल कर मनाते हैं। जैसे-जैसे समय बदलता जा रहा है वैसे-वैसे त्यौहारों की रौनक कम होती जा रही है। इस त्यौहार पर भी ऐसा ही देखा गया। त्यौहार मनाने के लिए लोग घरों से निकले शुभकामनाएं दी और परस्पर मिलजुल कर गिले सिकवे दूर करने का वादा किया।

शाम 4:00 बजे के बाद से ही त्यौहार का त्यौहार मनाना शुरू हो गया था यह त्यौहार शाम 4:00 बजे से शुरू हुआ जो रात 10:00 बजे तक चलता रहा। इस त्यौहार पर अनेक लोग नए वस्त्र धारण कर त्यौहार मनाने के लिए निकले। इस त्यौहार की विशेषता है कि इसकी यह त्यौहार आज के परिवेश में प्रेम-स्नेह का बीज अंकुरित



करने वाला त्यौहार है। इस त्यौहार पर कई जगह भुजरिया मिलन समारोह के आयोजन भी किए गए। भुजरियों का यह त्यौहार शाम 4:00 बजे शुरू हुआ महिलाएं अपने सिर पर भुजरियों के लिए पत्र रखकर गीत गाते हुए जल स्रोतों पर जाते हुए देखी गई। महिलाएं भुजरियों के गीत गाते हुए तुलसी सरोवर पहुंचीं: आज भी यहां भी संस्कृत में भुजरियों के गीत सुनाई पड़ते हैं इस त्यौहार पर महिलाओं ने तुलसी सरोवर पर पहुंचकर तालाब के पानी में भुजरियों को विसर्जित किया। बाद में भगवान के दरबार में इन भुजरियों को चढ़ाने के बाद इन्हें आम जनों के लिए आदान-प्रदान की गई। इस दौरान लोगों ने एक दूसरे को भुजरिया प्रदान की



और यह पर्व मनाया। इस पर्व में भुजरिया बदलने का त्यौहार है एक पक्ष दूसरे पक्ष को भुजरिया प्रदान करता है। इस भुजरियों के त्यौहार पर अनेक समाज में जहां बीते समय किसी के यहां शोक का वातावरण निर्मित हो जाता है उन परिवारों के यहां जाकर भुजरिया दी गई। और उनके शोक को कम करने का प्रयास किया गया। पहले शहर में लोग भुजरिया लेकर चैराहा चैराहा पर निकलते थे लेकिन अब सामूहिक रूप से घर-घर जाकर भुजरिया देने का प्रचलन चल पड़ा है। यह त्यौहार यहां की विरषिताओं में से एक है यह संप्रदायिक सद्भाव की मिशाल पेश करता है। दिलों में गुंजाइश करने वाला एक त्यौहार।



युवा पीढ़ी में भी उत्साह देखा गया: इस त्यौहार पर सभी वर्ग के लोगों में उत्साह देखा है खास तौर से आज की युवा पीढ़ी में इस त्यौहार को लेकर विशेष उत्साह देखा जाता है।

राजगढ़ शहरी क्षेत्र में नियम विरुद्ध आबादी के बीच स्थित है एलपीजी का गैस गोदाम राजगढ़ में भी हो सकता है गागोरनी गैस सिलेंडर ब्लास्ट जैसा हादसा!

हरिभूमि न्यूज़ ►► राजगढ़

रक्षाबंधन के दिन जीरापुर क्षेत्र के गागोरनी गांव में एक दुकान में रखे छह गैस सिलेन्डरों में अचानक ब्लास्ट होने की दिल दहला देने वाली घटना सामने आई थी। गनीमत से इस ब्लास्ट में कोई जनहानि नहीं हुई लेकिन गागोरनी जैसा उक्त हादसा राजगढ़ शहर में भी कभी भी होने की संभावना बनी हुई है। दरअसल, शहर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में एलपीजी(लिविड पेट्रोलियम गैस) सिलेन्डरों की आपूर्ति के लिए वीनस गैस एजेंसी का गैस गोदाम राजगढ़ शहर के मध्य आबादी वाले क्षेत्र में स्थित है। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के नियमानुसार अत्यंत ज्वलनशील एलपीजी गैस का गोदाम शहरी आबादी से दूर स्थित होना चाहिए। लेकिन, प्रशासनिक लापरवाही के चलते यह गोदाम वार्ड नंबर-14 में बाराद्वारी जैसी घनी बस्ती के ठीक समीप स्थित है। इसी गोदाम में एलपीजी गैस की टैंकों का स्टॉक रखा जाता है और यहीं से पूरे शहर में गैस सिलेन्डरों की आपूर्ति होती है। नियमों के विरुद्ध शहरी आबादी के मध्य संचालित हो रहे इस गैस गोदाम को खुले क्षेत्र में शिफ्ट करने पूर्व में प्रशासन द्वारा एजेंसी संचालक को नोटिस इत्यादि देने की औपचारिक कार्यवाहियां जरूर हुई हैं लेकिन, आज तक यह गोदाम खुले क्षेत्र में शिफ्ट नहीं किया जा सका है।

सिर्फ नोटिसों तक सीमित रहती है प्रशासनिक कार्रवाई



क्या कहता है नियम

एलपीजी एक बेहद ज्वलनशील गैस है एवं इसके गोदामों में आग या विस्फोट का खतरा हमेशा बना रहता है। इंडियन ऑइल कारपोरेशन के नियमानुसार एलपीजी गोदाम शहरी क्षेत्र में नहीं होना चाहिए। शहरी क्षेत्र में एलपीजी गोदामों के होने से सुरक्षा संबंधी खतरे बढ़ सकते हैं। ऐसे में इन्हें शहरी क्षेत्र से दूर खुले और सुरक्षित स्थानों पर ही बनाया जा सकता है।

वाहन पहुंचने योग्य मार्ग भी नहीं

एलपीजी गैस का यह गोदाम जिस स्थान पर संचालित हो रहा है, नियमानुसार वहां तक का पहुंच मार्ग मार्ग समतल एवं आसानी से पहुंच योग्य होना चाहिए। लेकिन, इस गैस गोदाम के पास पूरी तरह समतल स्थान तो छोड़ सड़क तक नहीं बनी हुई है।

बड़े-बड़े बोल्टर, पत्थर वाले स्थान पर यह गैस गोदाम स्थित है।

सोशल मीडिया पर भी हो रही चर्चाएं

गागोरनी में गैस सिलेन्डर ब्लास्ट जैसी घटना के बाद राजगढ़ शहर के एलपीजी गैस गोदाम को शहरी आबादी से दूर शिफ्ट किए जाने को लेकर सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्म पर भी आमजन अपनी प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। लोगों का कहना है कि नागरिकों की सुरक्षा के दृष्टिगत प्रशासन को इस गोदाम को शहरी आबादी से दूर करवाना चाहिए। हरिभूमि ने इस बारे में कलेक्टर डॉ. गिरिशी मिश्रा एवं एसडीएम रत्नेश श्रीवास्तव से संपर्क करना चाहा लेकिन उनसे बात नहीं हो पाई।

नहीं होना चाहिए

यह सही है कि आबादी क्षेत्र में गैस गोदाम नहीं होना चाहिए लेकिन इसकी अनुमति जिला प्रशासन के माध्यम से मिलती है।

पवन अवस्थी, सीएमओ, नगर पालिका, राजगढ़
मैं कल ही इस बारे में एसडीएम साहब से चर्चा करके निराकरण करवा रहा हूँ।
अनिल शर्मा, तहसीलदार, राजगढ़

दो वाहनों से जलब की गई यह अवैध शराब

माचलपुर क्षेत्र में पौने 3 लाख की 77 पेटी अवैध शराब पकड़ाई

हरिभूमि न्यूज़ ►► राजगढ़

जिले की माचलपुर पुलिस को अवैध शराब परिवहन के मामले में बड़ी सफलता हाथ लगी है। मुखबिर की सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने विभिन्न कंपनियों की 77 पेटी अवैध शराब से भरे लोडिंग पिकअप वाहन को पकड़ा है। जब शराब की कीमत करीब 2 लाख 70 हजार रुपए बताई जा रही है। पुलिस ने लोडिंग वाहन के चालक और क्लीनर पर आबकारी एक्ट के तहत कार्यवाही की है।

जानकारी के अनुसार पुलिस को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई थी कि एक सफेद रंग के लोडिंग पिकअप से



अवैध शराब का परिवहन होने वाला है। सूचना के बाद पुलिस ने ग्राम कूमड़ा के समीप चेकिंग प्वाइंट बनाया। चेकिंग के दौरान एक लोडिंग पिकअप गाड़ी बोलेरो वाहन से टोचन करके ग्राम कूमड़ा की ओर जाते पाए जाने पर पर जब उसे रोका तो उसमें अवैध शराब की पेटियां रखी हुई मिलीं। इस संबंध में जब पिकअप चालक ईश्वर सोधिया निवासी ग्राम कूमड़ी एवं बोलेरो चालक रायसिंह लववंशी निवासी सुंदरपुरा से सवालालात किए गए तो वे कोई दस्तावेज उपलब्ध नहीं करवा पाए।

शराब सहित दोनों वाहन जब्त- टीआई पूजा परिहार ने बताया कि पिकअप एवं बोलेरो दोनों वाहनों एवं उनमें से बरामद पूरी शराब जब्त कर ली गई है। इसके साथ ही दोनों आरोपियों पर आबकारी एक्ट के तहत कार्यवाही की गई वहीं एक आरोपी बीरम सिंह सोधिया निवासी भंवरपुरा थाना खिलचोपुर फरार है जिसकी गिरफ्तारी हेतु प्रयास जारी है।

रक्षाबंधन पर्व का आध्यात्मिक कार्यक्रम संपन्न



ब्यावरा। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय शहीद कॉलोनी सेवा केंद्र द्वारा रक्षाबंधन पर्व का आध्यात्मिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। ब्यावरा सेवा केंद्र संचालिका लक्ष्मी दीदी साहित्य सभी दीदीयों ने अतिथियों को आत्मस्मृति का तिलक लगाकर राखी बांधी और इस पर्व के आलौकिक पर्व में जिला प्रभारी राजगढ़, आदरणीय बीके मधु दीदी, दांगी समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष

पुरुषोत्तम दांगी, जनपद प्रतिनिधि जगदीश गुर्जर, नगरसेठ महेश अग्रवाल, वरिष्ठ एडवोकेट चंद्रकांत त्रिपाठी, दांगी समाज के जिला अध्यक्ष रामबगस दांगी, राधेश्याम दांगी सरपंच मोहनपुरा, रामदयाल पालीवाल सरपंच कचनारिया का स्वागत कर नगर के भाई- बहनों एवं, माताओं बच्चे इत्यादि उपस्थित रहे। साथ ही बड़े हर्ष उल्लास के साथ पर्व मनाया गया। भाई- बहनों को परमात्मा

शिव का रक्षा सूत्र बांध कर सर्व आत्माओं को शुभकामनाएं के साथ ही मुख मीठा करवाया। मधु दीदी ने रक्षाबंधन के आध्यात्मिक रहस्य पर प्रकाश डाला, उन्होंने कहा कि रक्षाबंधन का पावन पर्व इस संसार में पवित्रता और मर्यादाओं के बंधन में बंधने के लिए ईश्वरीय उपहार है। इससे मानवीय संबंधों की गरिमा स्थापित होती है। कार्यक्रम में पधार सभी अतिथियों ने राखी की शुभकामनाएं दीं एवं पवित्रता के महत्व को समझ रिशतों की मर्यादा को बनाए रखने की बात कही। कार्यक्रम का मनसंचालन सुनीता अग्रवाल के द्वारा संचालित किया गया। कार्यक्रम के समापन में अतिथियों का आभार व्यक्त किया रामेश्वर दांगी सब इंजीनियर बिजली विभाग, परमात्मा का पवित्र रक्षा सूत्र 200 से अधिक संख्या में सम्मिलित रहे।

पारंपरिक नृत्य ने मोह लिया मन

विश्व आदिवासी दिवस पर निकला भव्य चल समारोह



हरिभूमि न्यूज़ ►► सारंगपुर

विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर रविवार को शहर में आदिवासी संस्कृति की अद्भुत झलक देखने को मिली। सर्व आदिवासी समाज, संगठन के बैनर तले मांगलिक परिसर से सुबह 11रु30 बजे भव्य चल समारोह का शुभारंभ हुआ युवक-युवतियां पारंपरिक एवं आधुनिक वेशभूषा में सजे-धजे थे।

डीजे की धुन और पारंपरिक वाद्य यंत्रों की मनमोहक ताल पर युवाओं ने जमकर आदिवासी नृत्य किया। समारोह में पारंपरिक नृत्य, गीत और अखाड़ों ने उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। चल समारोह के समापन पर स्थानीय मांगलिक भवन में मंचीय कार्यक्रम आयोजित हुआ, जिसमें आदिवासी समाज के महापुरुषों की प्रतिमाओं का पूजन किया गया। कार्यक्रम में आदिवासी

समाज के इतिहास, संस्कृति और योगदान पर वक्ताओं ने अपने विचार रखे और समाज की एकजुटता का संदेश दिया। इस दौरान करणसिंह भिलाला, अनिल भिलाला, जनपद अध्यक्ष देव नागर, मनोहरलाल भिलाला, मांगीलाल भिलाला सहित हजारों की संख्या में समाजजन मौजूद थे। अंत में आधार जनपद सदस्य राजेंद्र भिलाला ने माना।

गांव में लगाया गया अस्थाई स्वास्थ्य शिविर बेराड़ में उल्टी-दस्त के 15 मरीज मिले पहुंची स्वास्थ्य विभाग की टीम



हरिभूमि न्यूज़ ►► राजगढ़

सुतालिया क्षेत्र के तहत आने वाले ग्राम बेराड़ में शनिवार को उल्टी, दस्त से करीब 15 लोगों के पीड़ित होने की सूचना सूचना स्वास्थ्य विभाग को मिली थी। सूचना मिलते ही विभाग ने त्वरित कार्यवाही करते हुए गांव में चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराई सभी बीमारों का उपचार शुरू किया।

विभाग के अनुसार 15 में से 5

शामिल सिविल सर्जन डॉ. नितिन पटेल और जिला महामारी नियंत्रक डॉ. महेंद्रपाल सिंह ने पूरे गांव का भ्रमण कर बीमार लोगों की पहचान कर उन्हें उपचार दिया। गंभीर रूप से बीमार दिख रहे लोगों को नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र रेफर करवाया गया। इसके साथ ही विभाग द्वारा गांव में एक अस्थाई चिकित्सा शिविर भी लगाया गया है। गांव में 3 हैंडपंप और कुछ निजी ट्यूबवेल हैं जिनका पानी ग्रामीण पेयजल के रूप में उपयोग कर रहे थे। इन स्रोतों में से कुछ गंदे नाली के पानी के पास स्थित हैं, जिनमें बारिश और नाली का पानी मिल सकता है और इसके पीने से भी ग्रामीणों को डायरिया होने की संभावना जताई जा रही है। जिला महामारी नियंत्रक डॉ. महेंद्रपाल सिंह ने बताया कि हमने पेयजल स्रोतों के सैंपल लेने के लिए पीएचई विभाग को कहा है। वहीं बीमार लोगों के स्टूल का सैंपल लेकर जांच के लिए भेज रहे हैं।



हरिभूमि न्यूज़ ►► सुतालिया

रविवार को परलापुरा लक्ष्मीकांत मंदिर चैक पर महिलाओं द्वारा भुजरिया एक जगह एकत्रित कर गीत गाकर गेहूं के दाने छिटकर महिलाओं ने अपने सिर पर रखकर पावती रोड स्थित तलाव पर जाकर गुजरिया तोड़ी गई बता दें कि रक्षाबंधन के अगले दिन भाद्रपद महीने की प्रतिपदा को

भुजरिया पर्व मनाया जाता है। इसे कजलिया पर्व भी कहते हैं। इस साल यानी कि 10 अगस्त को भुजरिया पर्व मनाया गया। इस दिन लोग एक-दूसरे से मिलकर गेहूं की भुजरिया देते हैं और उन्हें भुजरिया पर्व की शुभकामनाएं देते हैं इस मौके पर हरिसिंह कुशवाहा पटेल नगरीय साथ उपस्थित रहे इस दौरान पुलिस व्यवस्था दुरुस्त रही।

गागोरनी गांव

स्थित सुविधा

केंद्र पर ब्लास्ट

जीरापुर। नगर से दस किलोमीटर दूर ग्राम गागोरनी स्थित बस स्टैंड पर सुविधा केंद्र पर रखे एलपीजी गैस के 06 सिलेंडर ब्लास्ट हो गए। इस दौरान देखते ही देखते अफरा-तरफा का माहौल बन गया हालांकि इस हादसे में कोई अनहोनी घटना नहीं घटी। जिसमें तीन बकरियां मर गई। लोग इधर-उधर भागते दिखाई दिए सीएससी केन्द्र पर तत्काल दमकल वाहन पहुंचे जहां आग बुझाई। इस सारे घटनाक्रम को लेकर थाना प्रभारी रवि ठाकुर द्वारा बताया गया कि भोपाल खाद्य विभाग की टीम से अभिमत लिया जाएगा। तथा सुरक्षित टैंकियां के लिए क्या नियम है कि जानकारी चाही। तथा इस मामले में प्रेम लववंशी के खिलाफ धारा 3८7 ईसी एक्ट तथा 287, 325, 324(5) डीएनएस न्याय संहिता में प्रकरण दर्ज किया गया।

दोषियों के लिए ऑक्सिजन बनी विपक्ष की खामोशी, जिस मामले में होना थी जांच लीपापोती कर रहे जिम्मेदार

राशन हितग्राहियों में रोष, विपक्ष भी खामोश...तीन माह के राशन से वंचित रह गए सैकड़ों हितग्राही

हरिभूमि न्यूज़ ►► ब्यावरा

जिले में राशन माफिया पर लगाय लंगाने की हिम्मत अंततः अभी कोई नहीं जुटा पाया, एक और करोड़ों का राशन बिना किसी ठोस और प्रमाणित आधार के पीओएस मशीनों से हटा दिया गया इसके साथ ही केंद्र द्वारा गरीब हितग्राहियों के लिए एक साथ भेजे गए तीन माह के आवंटन में भी अधिकारियों ने संघ लगा दी और जून में बटन वाला राशन अगस्त तक कई हितग्राहियों के पेट की आग को शांत नहीं कर सका।

हजारों टन राशन हटाने से लेकर गरीबों के घर तक राशन न पहुंचने पर किसी जिम्मेदार अधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं विपक्ष तक ने सुध नहीं ली। माननीय भी नरसिंहगढ़ आए परंतु उनके कार्रों तक भी गरीब हितग्राहियों की बात नहीं पहुंचाई गई यह इस बात का प्रमाण है कि यदि यह भ्रष्टाचार है तो फिर इसमें सभी लोग शामिल है हैरत तो इस बात की है कि इसमें विपक्ष के रूप में कांग्रेस भी खामोश रही ऐसा लगा की कांग्रेस भी भाजपा के लिए काम कर रही है। कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष जीतू पटवारी शायद इन बातों पर गौर करेंगे की इस जिले में अधिकतर कांग्रेसी भाजपायय हो चुके हैं इससे



भी जिले में विपक्ष कमजोर हुआ है।

यह मुद्दे जो कांग्रेस को जनहित में उठाना थे

स्वास्थ्य विभाग में जिले भर में डॉक्टरों की कमी और प्रसूताओं और बच्चों को इलाज के लिए रेफर का मुद्दा। जिले भर में अवैध खनन किया जाता रहा और कांग्रेस ने एक शब्द तक नहीं बोला। रोजगार के लिए युवा व गरीब परिवार पलायन करने को मतबूर यह भी विपक्ष को दिखाई नहीं दिया। किसानों को समय पर खाद न मिलना,

बिजली का बार बार काटा जाना, बिजली विभाग द्वारा मनमाना बिल देकर लोगों से दादागिरी से वसूली करना। मध्यप्रदेश का एक मात्र प्रोफेशनल कॉलेज जो की राजगढ़ में है वहां अभी तक फेकल्टी ही नहीं है परंतु कांग्रेस इसे भी युवाओं के हित के लिए केस नहीं कर पाई। भाजपा की पिछले 20 सालों से सरकार में होते हुए भी अभी तक जिले में रोजगार के लिए ठोस व्यवस्था नहीं हो पाई इस मुद्दे। शहरी विकास में भ्रष्टाचार व्याप्त है परंतु चुप्पी साथ रखी है। इसके साथ ही राशन मूव करने के मामले में पीओएस मशीनों से



5 हजार टन से ज्यादा का राशन हटा दिया गया परंतु कांग्रेस ने इसे भी हल्के में लेकर आमजनता की आवाज को दबाने का ही काम किया है जिसे भाजपा के पक्ष में काम करने से जोड़कर भी देखें तो अतिशयोक्ति नहीं होगी। इतना ही नहीं गरीबों के जिस मुद्दे को लेकर विपक्ष को सड़को पर उतरना था उस पर किस्तों में धीमी गति से एक एक बयान जारी कर विपक्ष अपनी आपसी खींचतान को उजागर करने से नहीं चूक रहा बल्कि सत्ता पक्ष के लिए ऑक्सिजन का काम कर रही है विपक्ष।

पीड़ितों और विपक्ष पर भारी, एक महिला खाद्य अधिकारी

अमूमन ऐसे किसी बड़े अभियानिता के मामले में जांच के समय सबसे पहले संबंधित को हटाय या जांच से दूर किया जाता है लेकिन राजगढ़ में ऐसा भी है यहां जेधसओ स्वाती मायकर जो चाहती है वो वरिष्ठ अधिकारी करते हैं,अखिर कमाऊ पूत जो हैंजिसने मशीनों में खेल कर हितग्राहियों के मंहनों के राशन को ही गायब कर दिया वह आज भी वहीं काबिज है और विपक्ष चुप है।

जिला पंचायत अध्यक्ष ने भी किया दिखावा

जिले भर में राशन मामले में आपूर्ति अधिकारियों की मनमानी के चलते हजारों टन राशन पीओएस मशीनों से हटाय गया साथ ही सैकड़ों हितग्राहियों को तीन माह का राशन सिर्फ कागजों के दिलवा दिया गया इस पर जिला पंचायत अध्यक्ष ने दिखावा तो करा परंतु ठोस कार्रवाई करवाने से वह भी बचते नजर आए। जबकि मुख्यमंत्री के आगमन के पहले कांग्रेस ने इस मुद्दे को पकड़ा था परंतु जैसे जैसे सीधम का आने का कार्यक्रम पास आता गया विपक्ष ने चुप्पी साथ ली और ऐसी चुप्पी सांथी की आज तक चुप है। जबकि जिला पंचायत अध्यक्ष चाहते तो पूरे जिले का यह बहुत बड़ा मुद्दा था परंतु इसे हल्के में क्यों डोड़ दिया गया इस पर जलता प्रबन्धित लगा रही है।